अनुक्रमणिका

पृष्ठ संख्या

●प्राक्कथन

प्रथम अध्याय

➢ विषय-प्रवेश

- साहित्य और समाज ४
- आधुनिक काल की पृष्ठभूमि ७
- आधुनिक काल की विभिन्न परिस्थितियाँ ७
- हिंदी उपन्यास: परिभाषा और स्वरूप १३
- हिंदी के प्रमुख उपन्यासकार और उनके उपन्यास १५
- हिंदी कहानी : परिभाषा और स्वरूप २१
- हिंदी के प्रमुख कहानीकार २३
- उपन्यास और कहानी में अंतर २९
- आधुनिक हिंदी साहित्य पर विभिन्न विचारधाराओं का प्रभाव ३०
- राजी सेठ की अपनी विचारधारा ३८

द्वितीय अध्याय

➢ राजी सेठ के उपन्यासों का अध्ययन व अनुवाद कार्य

- राजी सेठ का जीवन ४४
- राजी सेठ का व्यक्तित्व ४८
- साहित्य सृजन ५१
- प्रेरणास्त्रोत ५३
- साहित्यिक प्रभाव ५३
- राजी सेठ के महिला लेखन के विषय में विचार ५४
- राजी सेठ के साहित्य एवं समाज के संदर्भ में विचार ५६

- राजी सेठ के पत्र-पत्रिकाओं के विषय में विचार ५८
- राजी सेठ के दृश्य-श्रव्य माध्यम के विषय में विचार ५९
- राजी सेठ की हिंदी कहानी की वर्तमान स्थिती पर राय ५९
- राजी सेठ का कृतित्व ६०
- राजी सेठ के उपन्यास ६४
- तत-सम की कथावस्तु एवं कथ्य ६५
- तत-सम के प्रतिनिधि पात्र ७५
- तत-सम के गौण पात्र ७८
- निष्कवच उपन्यास: पहले वृत्तांत कथावस्तु ८०
- निष्कवच उपन्यास: दूसरा वृत्तांत कथावस्तु ८५
- निष्कवच का कथ्य ९०
- निष्कवच उपन्यास के पहले वृत्तांत के मुख्य पात्र ९४
- निष्कवच उपन्यास के पहले वृत्तांत के गौण पात्र ९८
- निष्कवच उपन्यास के दूसरे वृत्तांत के मुख्य पात्र ९९
- निष्कवच उपन्यास के दूसरे वृत्तांत के गौण पात्र १०३
- राजी सेठ का अनुवाद कार्य १०४

तृतीय-अध्याय

- राजी सेठ की कहानियों का साहित्यिक अध्ययन १२३-२६६

चतुर्थ-अध्याय

- राजी सेठ के कथा साहित्य में प्रतिबिंबित समस्याएँ
  - आधुनिक युग की प्रमुख समस्याएँ २७८
  - राजी सेठ के कथा साहित्य में प्रतिबिंबित-
  - दांपत्य जीवन की समस्या २८७
  - आर्थिक समस्या २९७
  - नारी समस्या ३०३

- अलगाव की समस्या ३१३
- अंतर्द्वंद्व की समस्या ३२२
- संत्रास की समस्या ३३०
- अकेलेपन की समस्या ३४२
- तनाव की समस्या ३४६
- निम्नवर्ग के शोषण की समस्या ३५०
- देशविभाजन की समस्या ३५३
- वृद्धों की समस्याएँ ३५६

पंचम-अध्याय

➢ **राजी सेठ का कथा साहित्य: भाषिक शिल्प**

- बिंबात्मकता ३७३
- प्रतीक योजना ३७७
- चित्रात्मकता ३८०
- प्रवाहात्मकता ३८३
- पात्रानुकूल भाषा ३८५
- भावात्मक भाषा ३८७
- काव्यात्मक भाषा ३८८
- व्यंग्यात्मक भाषा ३९३
- भाषा में सांकेतिकता ३९७
- उपमाओं का प्रयोग ४०१
- सूक्तवाक्य एवं सूत्रवाक्य का प्रयोग ४०३
- समांतर मूलक प्रयोग ४०५
- लेखिम स्तरीय प्रयोग ४०६
- ध्वनि पर आधारित समांतरता ४०७
- विचलनमूलक प्रयोग ४०७

- शब्दप्रयोग ४०९
- मुहावरों तथा कहावतों का प्रयोग ४१०
- लोकभाषा का प्रयोग ४११
- नवीन व मौलिक प्रयोग ४१२

❖ शैली

- वर्णनात्मक शैली ४१४
- आत्मकथात्मक शैली ४१६
- स्मृतिपरक शैली ४१७
- मनोविश्लेषणात्मक शैली ४२०
- चेतनाप्रवाह शैली ४२१
- भावात्मक शैली ४२४
- पत्रात्मक शैली ४२४
- डायरी शैली ४२७
- संवाद शैली ४२८
- स्वप्न शैली ४३०

➢ उपसंहार ४४३

➢ परिशिष्ट